समावेशीकरणको दिशामा एउटा फड्को :
गोरखापत्रद्वारा प्रकाशित उराँव भाषा पृष्ठ
•
२०६६ भदौ ५ गते शुक्रबार

नयाँ नेपाल

गोरखापत्र

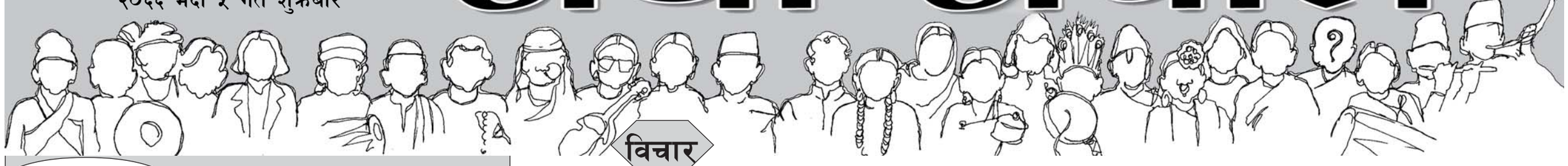

समाचार

विश्व आदिवासी दिवस २०६६ मन्जा

पुना नेपाल समाचारचिऊ

काठमाडों। आदिवासी जनजातिर इबरीता आदिवासी दिवस २०६६न आनदोलनही रुपनु काठमाडों लगायत और जिलागुट्ठीनु हुँ बेस्सकुना सफल नन्जार। इदिती अगु विश्व आदिवासी दिवसन साँस्कृतिक पबनीही रुपनु मनाबआलगियार।

आदिवासी जनजाति महासंघही मूल आयोजनानु सौँसे नेपाल राजीही भिने भिने जिलाही खतरी भिने भिने सामूहिक भेला और जुलुसही कार्जक्रम तय नन्जका राचा। और अब्ड़ा अड्डानु कार्जक्रम चलाबआगे भिने भिने आलारगे जिमा चिच्का राचा।

ललितपुर, भक्तपुर, काभ्रे, धादिङ्ग लगायत जिलाता आदिवासी जनजातिर काठमाडोंही खुला मन्चनु आयोजना मन्जका कार्जक्रमनु सहभागी मन्जका राचार। इब्ड़ारगुट्ठी काठमाडोंनु जमा मन्जारकी भिने भिने जग्हाती जुलुस ओथरका राचार।

सिंहदरबारही गेटती आदिवासी जनजाति सभासदर (ककस)ही जुलुस सुरु मन्जाकी खुला मन्चही कार्जक्रम जग्हानु अड्सिया। अन्नेम राजदरबार, रत्नपार्कही सान्तिबाटिका, सुन्धारा, बसन्तपुर, जमल लगायत जग्हानु विभिन्न आदिवासी जनजातिर जमा मन्जारकी जुलुस ज्याली सुरु नन्जारकी किर्रनुम केरारकी खुला मन्चही कार्जक्रमनु समाबेस मन्जार।

सहभागी मन्जका आदिवासी जनजातिर तम्हाय बायनर सँग्गे सँग्गे झाँकी एदाबअते मन्चही अगुनु मार्च पास नन्जार। ऐयानु नम्हाय कुडुखती नेपाल उराँव आदिवासी जनजाति प्रतिष्ठान, इनरुवा, सुनसरी और नेपान झाँगड़ (उराँव) कोड़ेम सुध्रारा केन्द्रिय कार्य गुठियारा आही सहभागीता राचा।

कार्जक्रमही सभापतित्व विश्व आदिवासी दिवस मूल आयोजक समितिही संयोजक श्री पासाङ्ग शेर्पास नन्जका राचास। आ कार्जक्रमनु लगभग होमरा आदिवासी जनजाति सभासदरही उपस्थिति राचा। मतर कुडुख सभासदरही उपस्थिति असन माराचा। सायत अब्ड़ार तम्हाय नलखती फुर्सद ओथरआ पोल्लारकी उपस्थित मामन्जार होएन। उपस्थित मन्जका सभासद लगायत और बक्तागुट्ठीर आदिवासी जनजातिरही भाषा, सँस्कृति, भेषभुषा, हक, अधिकारही बारेनु कच्छनखनुम आइएलओ - १६९नु उल्लेख मन्जका चीजगुट्ठीन संविधाननु सुनिस्चित ननागे ई दबाब मुलक कार्जक्रमही आयोजना मन्जकी रई, ई कोहाँ कार्जक्रमही माध्यमलके संविधान सभाता परतिनिधिरही मार्फतलके आदिवासी जनजातिरही माग और एजेन्डागुट्ठीन उठाबआगे और संविधाननु लिख्तआगे जोड़दार आवाजगुट्ठी चोद्का राचार। और सभासद बक्तागुट्ठीर हुँ एम नम्हाय आदिवासीतही हक, अधिकार एकासे पुना संविधाननु सुनिस्चित मनो अदिही खतरी बुलन्द आवाज उठाबआ लग्दाम और उठाबअनुम रओम जब तक नम्हाय अधिकार सुनिश्चित मामनोकालो बअना कत्थागुट्ठीही चर्चा मन्जा। आ कार्जक्रमनु हजारो हजार आदिवासी जनजातिर इत्का राचार होले और नन्ना जातर हुँ उपस्थित मन्जका राचार।

कुडुख़ झाँकी एदारा

संजिव उराँव/इनरूवा

विश्व आदिवासी दिवस २०६६ही अवसरनु भिने भिने आदिवासी जनजातिरही झाँकी सँग्गे सँग्गे कुडुख़ झाँकी हुँ एदाबातारकी राचा। भोकहा-७ ता झाँकी टोली कुडुख़ सँस्कृति झलकअना झाँकी ईदकी राचा।

नेपाल आदिवासी जनजाति महासंघही आयोजनानु इटहरी नगरपालिकाही चालीनु आयोजना नन्जका कार्जक्रमनु कुड़ख़ार, थरुवार, राई, लिम्बुर, राजबंसीर, मुड़ार लगायत आदिवासी जनजातिरही सहभागिता राचा और झाँकीगुट्ठी हुँ एदाबातारकी राचा।

कुडुख़ संस्था नेपाल झाँगड़ (उराँव) कोड़ेम सुध्रारा केन्द्रिय कार्य गुठियारा आ सामेल मन्जकी राचा।

आ कार्जक्रमनु भिने भिने राजनीतिक पाटीता नेतागुट्ठीर हुँ राचार और अब्ड़ार आदिवासी जनजातिरही हक, हित और अधिकारही बारेनु कच्छनखनुम अब्ड़ा हुमरी एजेन्डागुट्ठीन पुना संविधाननुम सुनिस्चित नना पड़ारओ बअना कत्थानु जोड़ चिच्का राचार।

आदिवासी जनजाति नेतृत्व बिकास तालिम मन्जा

पुना नेपाल समाचारचिऊ

इनरुवा। आदिवासी जनजाति नेतृत्व बिकास तालिम कार्जक्रम नरसिंह गा.वि.स. ही हाताभित्री मन्जा। आ कार्जक्रम खासनु कुड़ख़ारही खतरी कुना आयोजना मन्जकी राचा।

आ कार्जक्रम नेपाल आदिबासी जनजाति महासंघ गा.वि.स. समन्वय परिसदही आर्थिक लगानी और गा.वि.स. नरसिंहही सहजोगनु श्री हिरालाल उराँवजीसही संयोजकनु मन्जकी राचा।

आ कार्जक्रमनु नरसिंह गा.वि.स.ही तीनठो वाडता कुड़ख़ार सहभागी मन्जका राचार। आ कार्जक्रमनु आदिवासी जनजातिर एकासे अगु बढ़रओर, इब्ड़ार एकासे एकजुट मनो और अगु बढरओर ? एका एका छेत्रनु ने ने पहल और नेतृत्व ननो होले आदिवासी जनजातिर बिकास मनो बअना बिसयनु बग्गे फोकस मन्जकी राचा।

आ कार्जक्रमनु कोहाँ पायहस श्री बद्रीलाल उराँव मास्टरस राचास और परतिनिधि पायहरही रुपनु भिने भिने राजनितिक पाटीता आलारगुट्ठी बरचका राचार। अन्नेम जनजाति बुद्धिजिबीगुट्ठीरही हुँ उपस्थिति राचा। आदिवासी जनजाति नेतृत्व विकास तालिमही परसिक्छकगुट्ठीनु सम्पतलाल उराँव, नारायण उराँव, संजिव उराँव और गणेशलाल उराँव राचार। कार्जक्रमनु करीब ७०-८० झना कुड़ख़ारही सहभागी राचा।

योजना और समिक्छा कार्जक्रम

पुना नेपाल समाचारचिऊ

काठमाडों। अति सिमान्तकृत आदिवासी जनजाति राष्ट्रिय संजाल भिने भिने आदिवासी जनजाति समुदायनु चिच्का कार्जक्रमगुट्ठीही बारेनु बुझ्रआगे ओजना और समिक्छा कार्जक्रमही आयोजना नन्जकी राचा।

ई कार्जक्रम केरका सौन महिनाही २६ गते सोमरउला नार्गाजुन पाटी प्यालेसनु संजालही संयोजक श्री नगेन्द्र कुमालसही संयोजकत्वनु मन्जकी राचा। नेपाल उराँव आदिवासी जनजाति प्रतिष्ठानता परतिनिधि अमिरलाल उराँवजीसही अनसार आ कार्जक्रमनु आदिवासी जनजाति सूचीनु पड़ारका और मापड़ारका जनजातिरगुट्ठी हुँ सहभागी मन्जका राचार।

आ कार्जक्रमनु आदिवासी जनजातिरही हक और अधिकार संविधाननु एकासे सुनिस्चित मनो अदिहीबारेनु छलफल मन्जा। और आदिवासी जनजातिरीन एकासे अपना हक, अधिकारही बारेनु स-सक्तिकरन और सचेतनाही कार्जक्रमही योजना और बेबहारनु एकासे लागु मनो अदिही बारेनु हुँ बेस्स छलफल मन्जा।

संविधान सभाही नलखही सुचीन दिमाकनु उइयारकी आ कार्जक्रमनु खास तीनठो कत्थानु छलफल और निर्कोल नन्जार।

संजालही अबधारना बारेनु

◆ संजाल जातिय अबधारनापत्र जमा ननो,

◆ जातिय संस्थागे भदो १५ गतेभित्री तम्हाय जातिय संस्थागत अबधारनापत्र पेस नना पड़ारओ और एका जातिय संस्था अबधारनापत्र कमआ पोल्लो आ समुदायही खतरी संजाल अबधारनापत्र कमआगे सहजोग ननो,

◆ जातिय अबधारनापत्र जमा मन्जकाही ख़ोख़ा जातिय संस्थाता आधिकारिक आलारही सहभागितानु भदो २० गते जनकपुरनु अन्तरक्रिया कार्जक्रम मनो,

◆ अदिही ख़ोख़ा आदिवासी जनजाति बिद्वानर और कानुनबिदगुट्ठीरीन अबधारनापत्रन एद्ओरकी अन्तिम निचोड़ ओथरआकी पारित ननागे भदो २५ गते काठमाडोंनु भला मनो,

◆ ताब फेर आ अबधारनापत्रन छलफल ननाकी अनमोदन ननागे जातिय संस्थागुट्ठीगे भदो मसान्तनुम तैयो,

◆ अनमोदन मन्जका अबधारनापत्रन किताप छप्ओकी पत्रकार सम्मेलन ननोकी सर्वाजनिक ननो और हुमरी जातिय संस्थागुट्ठीगे एक एकपरती तैयो।

समुदाय सचेतना बारेनु

◆ संजाल और जातिय संस्थाही तेयार नन्जका अबधारनापत्र संबैधानिक समितिही कम्चका अबधारनापत्रनु बुँदागुट्ठी तालमेल मामिलरा होले अदिहीबारेनु भिने भिने जाति समुदायनु कातिक मसान्तभित्री छलफल नन्ना नलख मनो

दबाबमुलक कार्जक्रमहीबारे

◆ फरक मन्जाका बुँदागुट्ठीन समाबेस नन्तआगे समे और परिस्थितिन एःराकी दबाबमुलक कार्जक्रम नना पड़ारओ और ईदिन अघनही १५ गतेभित्री नना उँकात होले नम्हाय योजना सफल मनो बअना कत्थागुट्ठीही निर्नय मन्जा।

विचार

कुड़ख़ारही कोहाँ पबनी 'करम' सँस्कृति या बिकृति ?

रामकिसुन उराँव

पबनीतिहार मन्ना हुमरी जातजातरही तम्हाय तम्हाय जातही ओन्टा चलरते बरचका संस्कार और सँस्कृति हिके। आदिवासी जनजातिरही संस्कार और सँस्कृति ओन्टा जनजातिरती दोसरा जनजातिरहीनु भिने भिने मनि। मतर ने जातही सिस्टमनु चलरनार आरही ओन्टेम संस्कारगुट्ठी बग्गे मनि। अब्ड़ार खास बअाहोले धरमही आधारनु तम्हाय संस्कार और सँस्कृति उइका मन्नार।

हिन्दु धरम मनऊ जातारगुट्ठी ओन्टेम धार्मिक संस्कार नन्नार। जातार भिने भिने मन्नार लिकिन संस्कार और सँस्कृतिगुट्ठी करीब करीब मिलरई ओन्टा दोसरारनु। मतर जनजातिरनु एन्ने मामनि। जनजातिरही अपना अपना खलही संस्कार और सँस्कृति मनि। पबनीतिहार मनि और अब्ड़ा सालभरनु भिने भिने मास और समेनु पड़ारई। औँगे हुमरी जनजातिर तम्हाय कोहाँ पबनीगुट्ठीनु सरकारती राष्ट्रिय बिदा पबच्का रअनार। और एका जनजातिर मापबच्का रअनार अब्ड़ार हुँ तम्हाय पबनीनु राष्ट्रिय या अस्थानीय बिदा चआ पड़ारओ बाचारकी सरकारसँग्गे माग नन्जका रअनार। और अब्ड़ारगे निस्चित रई राष्ट्रिय या अस्थानीय बिदा ख़ख़ओ।

नम्हाय कुड़ख़ारगे एन्देरगे सरकारी बिदा मामनो ? अब्बस के मनो। नाम नम्हाय पबनीतिहारगे छुटी नेओत होले नेपाल सरकार एन्देरगे छुटी माचोओ ? चोओ। मतर नम्हाय कुड़ख़ारगे एन्देर पबनीगे सरकार बिदा चोओ और इक्ला चोओ ? इदिही बारेनु नम्हाय समुदाय अपनेम बिचार, छलफल और सल्हा ननाकी एन्देर पबनीगे इक्ला बिदा चाही अदिन नेआ पड़ारओ।

नम्हाय कुडुख़ समाजनु चाडपरब, पबनीतिहार मन्ना और जनजातिरती तनिकुना फरक रई और आ तनिकुना फरक मन्जका लके इन्ना नाम सरकारी बिदा पबआ पोल्ला लग्दात और एन्नेम रओत होले नमागे नम्हाय कोहाँ पबनीगे सरकारी बिदा मापबओत। एन्देरगे ? ई सवालन मेनाकी होमरारगे चक्ड़ीगुम मनि होएन। मतर इदिही कारन हुँ नम्हायसँग्गेम रई। अदिन अस्थिर दिमाकलके सोच्आहोले जवाफ हुँ अपनेम ख़ख़ओ कालो।

बास्तबनु नाम नम्हाय बबापुर्खारही समेन किर्रोतकी एःरोत होले इदिही जवाफ ख़क्खा औँगोत। बबापुर्खारही समेनु ख़लउखड़ी और ओन्नामोख़नाही अजादी राचा। ख़लउखड़ीही नलखगुट्ठी मुन्जकाही खुसी और अपना अपना आलारसँग्गे भेटमुलकात ननाकी निँदागिला कत्थागुट्ठी कच्छनखआगे अब्ड़ार भिने भिने समेनु फेराफिची नन्जारकी इन्ना ओन्टा पद्दानु करम गड्डार होले नँला या नेलबेन्जा या औँद हप्तानु दोसरा पद्दानु गड़आलगियार। एन्ने नन्तेम अब्ड़ार करीब औँद महिनाधक्का करम पबनी मन्ते बरचार और आ अनसारीम इन्ना नम्हाय कुड़ख़ातही सँस्कृति मन्जकी रई। कोए कुड़ख़ार एम्हाय करम भदोही पुरन्वाँनु मनि बअनारकी गड़नार होले कोएर एम्हाय करम जितियानु त कोएर दसहरानु बअनारकी गड़नार। कोएर एम नैगाम हिकदाम त कोएर एम्हाय गछोटी बअनारकी गड़नार। और एन्नेम बअनारकी इन्ना कुड़ख़ार भदोही पुरन्वाँती ल्याके दसहरागुटी भिने भिने अड्डा और पद्दानु करमा मन्नार और अपना अपना आलारीन मेख़नारकी भेटमुलाकात मन्नार, ओन्नारमोख़नार और ख़ुसी मनाबअनार।

अक्कुन नाम दाबी नन्दातकी नम्हाय कुड़ख़ातही हुमरीती कोहाँ पबनी 'करम' हिके। और करमनु नमागे सरकारी बिदा मन्ना चाही। नम्हाय करम कोहाँ हिके औँगे औँद महिनाही सरकारी बिदा चहई बाच्काती सरकार नमागे बिदा चोओ औँद महिनाही ? कोनो हालतनु माचोओ एन्देरगेकी एकआम आलारही या जातजातरही ओन्टा पबनी औँद उल्ला या दुई उल्लाही मनि और आद सम्भव मना सकई बिदा चआगे। सरकार हुँ सुचई ले ओन्टा आदिवासी जनजातिही कोहाँ पबनी हिके औँगे औँद दुई रोजही बिदा चिच्काती कोनो असर मापड़ारओ बिईकी चिई। और ईद आरही मौलिक अधिकार हिके। नम्हाय कुड़ख़ारही औँद महिनाही करम और औँद महिनाही सरकारी बिदा ! कोनो सवालीम माचुई।

चेरता समे नम्हाय बबापुर्खारही समे अनुकुल ठीक राचा ख़ने अब्ड़ार एन्ने किसिमसे नन्जार और ओन्टा संस्कार और सँस्कृति कमचार चिच्चार। मतर इन्ना समेसाल बद्लारा केरा और एन्नेम भी एकाइसो सताब्दीही आधुनिक जुगनु नाम पन्ध्रऔँ सोल्हो सताब्दीही कत्था ननोत और अन्नेम चलरओत होले नम्हाय संस्कार और संस्कृतिन जोगाबआगे नाम पोल्लोत। नेर्र जे ओन्टा जीब हिके आदतो तङ्गहाय अस्तित्वन जोगाबआखतरी समे समेनु तङ्गहाय देहता चौँयाँन ख़ित्ती। तेहनेम नमागे हुँ करम नम्हाय संस्कृति हिके, नम्हाय पहचान हिके और कुड़ख़ारही अस्तित्व इदिसँग्गेम जोड़रकी रई औँगे नम्हाय अस्तित्वन जोगाबआगे करमही अस्तित्वन जोगाबअना जडुरी रई।

> नमागे ई करमन ओन्टा समेनुम बेस्सकुना गड़ओत होले ईद ओन्टा कोहाँ महोत्सव मनासकई - कुड़ख़ारही "करम महोत्सव" और ओन्टा दोसरा "जतरा महोत्सव"। और ईबग्गे नना उँकाती कुड़ख़ारही नामे, पहचान और अस्तित्व नेपाल राजीनु कुना मला पुरे विश्वनु फैँलारआ सकई।

नाम नम्हाय करमही महत्वन कोहाँ कम्आगे इदिन अक्कुनही समेसापेक्छ परिमार्जन नना पड़ारओ। औँद महिना करम मन्जकाती कुना करमही अस्तित्व रओ और कुड़ख़ार करम मन्नार बअना कत्था आलार अख़ओर, ईद ओन्टा गलत भ्रम मना सकई।

कोनोभी पबनीतिहार लगातार औँद महिनागुटी मन्ना ईद ओन्टा बिकृति मामनाकी भला एन्दरा मनासकई ? सायत ई कारन लकेम कुड़ख़ार बाहेक पुरुब नेपालही झापा, मोरङ्गता खड़ियार, मुड़ार, किसानर, कवरर और सन्थालर हुँ पहले करम मना लगियार। करीब पचास साठी सालती इत्रा अब्ड़ार करम मनागे अम्बिया चिच्का रअनार। और नाम कुड़ख़ात दाबी नन्दातकी करम कुड़ख़ातही कुना कोहाँ पबनी हिके। ईराम मला, एन्ने छिटफुट रुपनु औँद महिना करम मन्दात औँगे दोसरा जातार नम्हाय कुड़ख़ारीन सन्नी नजर लके एःरनार और सन्नी जातारही अस्थान चिअनार। एन्देरगेकी कुड़ख़ार करम बबा बअनारकी पुजा नन्नार। एसन एसनतो अदिन होअनारकी अपबित्र जग्हानु गड़नार, उच्छलारनार, अरखी बोड़ए ओन्नार, उँखनार, नलनार, बेचनार बस मनिकाली। अदिही नियम तौरतरीकासे कोनो मतलब माउइनार। और एन्ने एःरा होले ईद पुरे ढिलफिक्वा तरीकालके नन्तारई।

औँगे नमागे नम्हाय कुडुख़ समुदाय, नम्हाय सँस्कृति और चाड़परब, पबनीतिहारही अस्तित्व कायम उइना रई होले नमागे नम्हाय पबनीतिहार मनाबअना तरीकानु परिवर्तन और सुधार ओन्द्आ पड़ारओ। एन्ने नन्जकाती नमागे दुईतर्फा फैदा मनो। एन्ने नन्जकाती ओन्टा फैदा नमागे राजी अस्तरही मान्यता मनो और महत्व बढ़रओ। सौँसे राजीनु नमागे औँद उल्लाम करम मना पड़ारओ। और औँद उल्लाम करम मन्जकाती नमागे सरकारी बिदा होआगे हुँ असान मनो और दोसरा जातार हुँ इन्ना कुड़ख़ारही करम पबनी हिके औँगे सरकारी बिदा मन्जकी रई बओरकी अख़ओर। राजीनु कुड़ख़ारही करमही चर्चा मनो।

दोसरातरा नमागे ई करमन ओन्टा समेनुम बेस्सकुना गड़ओत और ओन्टा नियमबद्धरुपती ननोत होले ईद ओन्टा कुड़ख़ारही साधारन करम पबनी कुना मला बलकी ओन्टा कोहाँ महोत्सव मनासकई - कुड़ख़ारही "करम महोत्सव" और ओन्टा दोसरा "जतरा महोत्सव"। और ईबग्गे नना उँकाती कुड़ख़ारही नामे, पहचान और अस्तित्व नेपाल राजीनु कुना मला पुरे विश्वनु फैँलारआ सकई। और इदिन नन्ना अक्कुनही माग और आवसक्ता हुँ हिके। एन्देरगेकी कुड़ख़ारही खास पबनी इब्ड़ा दुईठोदुम हिके। बकिया पबनीगुट्ठी तो और जतियार हुँ मन्नार। ऐयानु सरकारी बिदागुट्ठी मनिमकाली।

औँगे नम्हाय करम जदि भदोही पुन्वाँती सुरु मनिहोले भदो पुन्वाँन कुड़ख़ारही कोहाँ पबनीही रुपनु समे तोक्आकी आ उल्लानु सरकारी बिदाही माग नना पड़ारओ। नम्हाय करम दुई दिनही मनि औँगे नाम एकेबेर करम पबनीही खतरी लगातार दुई रोजही बिदा माग नना ओङ्गदात और सरकारगे हुँ मजबुर मनाकी बिदा चआगे पड़ारओ। एन्ने नन्जकाती इन्नागुटी ओल्तानु पड़ारका कुड़ख़ार सामननु बरआ औँगोर और हुमरीतरा कुड़ख़ारही चर्चा मनो। कुड़ख़ारही इज्जत, मान, सम्मान बढरओ और कुड़ख़ार गरबही साथ कुक्कान उठाबआकी सानसे उज्जा पबओर।

एन्ने नना उँकात होले खड़ियार, मुड़ार, किसानर, कवरर और सन्थालर हुँ ई करम पबनी तम्हाय कोहाँ पबनीही रुपनु मन्ओर और ई करम पबनीही महत्व और बग्गे बढरओ। और इब्ड़ा थोरे थोरे जनसंख्यानु राचाका आदिवासी जनजातिगुट्ठीरनु एक जुट और एकता मनो। एकजुट मन्जकाती सक्ति बढरओ और मधेसियारलेख्आ भिने राजी नेआगे बेस्स मनो। एन्देरगेकी इब्ड़ा आदिवासी जनजातिरही पुर्खागुट्ठीर पहलेतिम ओन्टेम जग्हानु रअतेम बरचका रअनार। इब्ड़ारही खराबग्गे सामाजिक और साँस्कृतिक चीजगुट्ठी और सामाजिक रीतिरिबाज, भेसभुसा, रहनसहनगुट्ठी मिलरई। औँगे इयानु ध्यान चिअना और सोच्ना जडुरी इथरई। ■

खिरी

कुम्ड़ी पच्चो

अमिरलाल उराँव

ओन्टा पद्दानु ओन्टा कुम्ड़ी पच्चो राचा। अदिगे ओन्टा तङ्गदा हुँ राचा। अब्ड़ार एकदम गरीब राचार। आ पच्चो डन्डा धरच धरच भैर उल्ला तेम्बाकी ओन्द्आ लगिया ताब आरही चुल्हानु चिच्च लघरआलगिया और दोनो मैछवार ओना लगियार।

समेसाल खन्डरनुम केरा। तङ्गदा हुँ पेल्लो मन्नुम बरचा। आद एःरना खोज्नानु खरा बेस्स और सुन्दरी राचा। औँगे आ पच्चो तङ्गदान अड़पाती बाहरी काला माचआलगिया। पच्चो आली तानुम गेच्छा गेच्छा कालाकी तिख़िल दाली तेम्बाकी ओन्द्रआलगिया। सच्चेम बआ होले आरही जिन्गी खरा कठिनसे बितआलगिया। कायदिना तो कीड़ा अम्मओन्काम दोनो मैछवार बिड्रका रआलगियार।

पच्चोही हालतन एःरा एःरा तङ्गदागे माबेस्स लग्गा हेर्रा। आद पेल्लो मन्जकी बरचा और अदिगे अत्नापुँजरना, ओन्नामोख़ना चीजगुट्ठीही लुभ्ही और इच्छा मना हेर्रा। ख़ने आद धर्मेसती बिन्ती नना हेर्रा। धर्मेस हुँ अब्ड़ारही समस्यान बिचार ननालगियास। अदिगे ओन्टा सहारा चहच्की राचा। पच्चो धिरे धिरे औँगा पोल्ला हेर्रा। तङ्गदा पेल्लो आलीन ओत्ख़ेम एसन तैयोन ? एसन कालो ? एसआनुम इन्दुम मन्जाकेरा होले एन एकासे ननो ? बाचाकी अदिन ओत्ख़ेम एसन हुँ मातैयालगिया औँगे आर औँद अठ्वारीगूटी उल्लामाख़ा कीड़ कीड़ाम बिडरका रआलगियार।

धर्मेसगे दया लग्गिया ख़ने धर्मेस तङ्गहाय भेसन बदलाचासकी बबाजी भेसनु आरही डिहड़ीनु बरचास। एङ्गा भिक चआ बाचासकी चिच्यारास। आवाजन मेन्जाकी पेल्लो बलीनु इज्जाकी हियाबाचा ख़ने डिहड़ीनु ओन्टा बबाजीस कमन्डल धरचासकी भिक नेयाँगे इज्का ईज्या।

आद फेर अड़पाउला कोरचा और पच्चोन बाचा अयो ओन्टा बबाजीस भिक नेयाँगे बरचका रअदास नम्हाय डिहड़ीनु। आसगे एन्दरान चोओन भिक ? पच्चो आ भिक निऊसिन एःरागे धिरेम अड़पाती बाहरी उर्खिया। पच्चो बबाजीसिन बाचा एन तो अपनेम भिक नेच नेच एम्हाय दुई मैछवाही जिन्गी उज्दाम होले निङ्गागे एकासे और एसतेकी भिक चोओम ? एक अठ्वारी मन्जाकेरा एम कीड़ कीड़ाम रअदाम। बलु निन कला दोसरारहेद्दे नेअ्के होले एन्द्रआदुम ख़ख़ओ।

भिक निऊस, मला एन दोसरारही डिहड़ी माकालोन, निङ्गहायगुस्तेम किर्रोनकी कालोन। एन्दरा रई अदिनुम चआय। एन खुसीसे होओन। पच्चो खरा समस्यानु पड़ाराकेरा। आद फेर बिन्ती नन्जाकी बाचा हे बबा ! एङ्गहाय अड़पानु ओन्टा खुदी हुँ मल्ला एमुम तो एक हप्ताती कीड़ा अम्मओन्का रअदाम निङ्गागे एसते एन्द्रान चोओम ?

बबाजीस मुसमुसरनुम तङ्गदान बाचास ए मया, निन कलाय तो अड़पाभित्री भन्डाकट्टनु एःरके, एन्दरा ख़ख़ओ अदिनुम ओन्द्रके चिअ्के। आद बाचा बबा, भन्डाकट्टु तो खलियाम रई। रअनाहोले एम कीड़ाम रओम पहेँ। मया निन कलाय न कलाय। एङ्गहाय कत्थान तो उइयाय। कलायकी एःराय ना निन।

पेल्लो अड़पानु कोरचा ख़ने अड़पा तो गमगमरआ लग्गिया। अदिगे आस्चर्ज लग्गिया। आद खुसी मन्जा और छलकार्नुम केराकी भन्डान चल्ख़ा ख़ने ऐयानु बासमती तिख़िल निन्दका राचा। आद थोरे चिख़िलन ओथराकी बबाजीसगे ओन्द्रा चिच्चा और अड़पापली गमगम नन्ना और अड़पानु तिख़िल दाली निन्दका कत्थान पच्चोन तिङ्गिया। ख़ने पच्चो हुँ खुसी मन्जा। पच्चोगे मननु एकासे एकासे लग्गिया। ख़ने आद बबाजीसिन मेन्जा, बबा निन कोनो इनसान आलाय तो मल्दाय ! एङ्गहाय अड़पानु ओन्टा खुदीरुनी हुँ माराचा। राचका होले एम कीड़कीड़ाम रओम पहेँ ? इब्ड़ा एकासे मन्जा ? नीन निङ्गहाय असली रुप और पहचान एदआ, बबा ?

बबाजीस बाचास नीम एङ्गहाय रुपन एःरा चाहदार ? हए अब्ड़ार बाचार। बबाजीस धर्मेसही भेस धारन नन्जास। अब्ड़ा दोनो मैछवार खुसी मन्जार और धर्मेसीन गोड़ लग्गियार। धर्मेस हुँ खुसी मन्नुम आरीन बाचास ले निम्हाय इच्छा एन्दरा रई , तेङ्गा। एन हुमरीन पुरा ननोन चोओन। ख़ने पच्चो खुसी मन्जाकी बाचा - एरा ! धर्मे बबा, एन तो पच्कान केरकान। ख़न्नकुक्क माएःरालगि। एङ्गा ओन्टेकुना एङ्गदा रई। आद हुँ पेल्लो मन्जाकेरा। अदिही बेन्जापाही एकासे मनो ? एम गरीब रअदाम एकासे बेन्जापाही ननोम ? एस्तेकी लड़का बेद्दोम ? ई समस्याही उपाय एःदआ चआ धर्मे बबा। धर्मेस खुसी मन्जास और अल्खनुम आर्सिबाद चिच्चास - ले निम्हाय इच्छा पुरा मनो और आस अस्तेकिम बिलारासकेरास।

दोनो मैछवार बेस्सकुना रआ हेर्रार। समेसाल बरचा। उँदुल ओन्टा रजासही तङ्गदास घोड़ोनु सवारी मन्जासकी पद्दा कुद्दागे उर्खियास। काते - काते आस अब्ड़ारही अड़पा अड़सियास। असन आसही घोड़ो इज्जा चिच्चा। कत्बो घोड़ोन पसदास हकदास अन्नु हुँ आ घोड़ो टस्समस्स मामनि असतेकी। ख़ने राजकुमारसगे आस्चर्ज लग्गिया। आस घोड़ोती इत्तियास। डिहड़ीनु घोड़ोही रन्टीही आवाजन मेन्जारकी अब्ड़ार हुँ दोनो मैछवार उर्खार। राजकुमारस आ पेल्लोन ईर्ष्यासकी मोहरासकेरास और अदिन बेन्जरओन बाचासकी अदिही ख़ेक्खान नेँचास। आद अख़चाकेराकी ईद हुमरी धर्मेसही लिला हिके। औँगे खुसीसे कत्थान मन्चाकेरा। राजकुमारस तङ्गहाय दरबार केरास। हुमरी कत्थान राजदरबारनु तिङ्गियास और साजबाजही साथ बरियाती ओन्दरासकी अदिन बेन्जापाही नन्जासकी तङ्गहाय द्वार होच्चास केरास।

अब्ड़ारही पुना जिन्गीही सुरुवात मन्जा। हसिख़ुसीसे अब्ड़ार रआहेर्रार। अजगु पच्चो हुँ तङ्गदान सही जग्हानु परबस्ती लग्बाचकाही चड्डे खुसीसे रआ हेर्रा। और उँदुल आ पच्चोही हुँ साँस टङ्गरनाही समे बरचा और आद आरामसे सोबदिनाही खतरी ख़न्नन मिड्खिया चिच्चा। ■

कविता

एम पढ्आ चह्दाम

- रमेश उराँव

एम पढ्आ चह्दाम, एमान तैया इस्कुल
एमागे चआ किताप कापी, कादम एम इस्कुल।

मा तैया एमान ख़ापागे, एःड़ा-जोःड़ा और गाय-माल
मा तैया एमान अयोबबा, नलख ननागे ख़ल।

उल्ला माख़ा मेहनत नना, अर्जआ दुई चार पैसा
कीड़ा अम्मओन्का अद्हा कुल ओना, जोग्आ एक दुई पैसा।

अरखी बोड़ए नसा भाङ्ग, अम्बा जुहा तास
धिरे - धिरे थोरे बग्गे, मनि धन सम्पतिही नास।

एक दुई पैसा, ढिबा कौड़ी, एम्हाय मैयाँ खर्चआ
एम्हाय लेखआ ख़दख़र्रारही, जिन्गीन मैयाँ अर्गआ।

निम्हाय सन्नी खर्चा, एम्हाय जिन्गीही असरा
पढ्ओम लिख्ओम कोहाँ मनोम, मनोम निम्हाय असरा।

- इनरुवा, सुनसरी

कुडुख़ कत्था लिख्आगे एन्देरगे माबनई ?

नाम पढेलिखे आलात औँद बच्पनती देवनागरी लिपिनु क, ख, ग ... पढ्च्कात। देवनागरी लिपिही माध्यमलके नम्हाय पढाइ लिखाइ पुरा मन्जा और चलरनुम भी रई। नाम नम्हाय भाषान नम्हाय लिपिनु सन्नीती पढ्आ पबना होले नम्हाय भाषान एकासे बछाबाच्का रअदात अन्नेम नम्हाय लिपिन हुँ चिन्हओत और बछाबाआगे ओङ्गोत दहकान। मतर ई मोका नमागे माख़ख़ा। और नम्हाय कुडुख़ भाषाही भिनेम लिपि रई का मल्ला ईदिही कोनो लेखा जोखा मल्ला इन्नागुटी।

भिने भिने भाषागुट्ठीही भाषिक बिसेसतागुट्ठी हुँ भिने भिने मनि। नम्हाय कुडुख़ कत्था और भाषाती फरक रई। नम्हाय कच्छनख़नाही लबज और ध्वनि उचारन दोसरा भाषागुट्ठीती फरक रई। नम्हाय भाषाही ध्वनिन देवनागरी लिपिनु लिख्आगे औँगोत जदि ऐयानु दुईठो अच्छर ख़ और ड़ जोड़ओत होले असानसेम लिखआगे औँगोत।

नम्हाय भाषाही फरक ध्वनिगुट्ठीही थोरेकुना उदाहरन इसन उइका रई :-

खेल :	बेच्ना खेल/गेम
ख़ेल :	अस्सना कुडुख़ बाजा
मुखा :	बली मुखा
मुख़ा :	बेङ्ग
खल्ल :	किसिम, प्रकार
ख़ल्ल :	खेती नन्ना जग्हाउ
गड्डी :	सतहती किइँयाँ
गड़ी :	अड्डो/मन्ख़ा गडी
अड़ी :	भन्डा, कट्टु
आड़ी :	ख़ल्लननु अम्म रोकआगे कम्च्का ख़जही ढिस्का
अड्डी :	जिद्ही, हट्ठी

एन्ने ध्वनिगुट्ठी नम्हाय भाषानु रई। नम्हाय भाषानु थप दुईठो ध्वनि रई अब्ड़ा हिके - ख़ और ड़। ईयानु ख और ख़, ड और ड़ नु फरक रई। नेपाली भाषानु ड और ड़/ड् नु कोनो फरक मल्ला।

नयाँ नेपालको भोलिको अङ्क *जिरेल* र *बराम* भाषामा प्रकाशित हुनेछ।

पृष्ठ संयोजक : बेचन उराँव/
रामकिसुन उराँव
पत्राचार ठेगाना
नयाँ नेपाल, गोरखापत्र दैनिक
पो.ब.नं. २३ काठमाडौं
Email: uranw@gorkhapatra.org.np